समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 20 September 2026

पुणे के मैराथन धावक की सड़क हादसे मे मौत, परिवार ने अंगदान कर बचाई 4 मरीजों की जिंदगी

Sanket Morankar Published on 30 Jul 2026

महाराष्ट्र के पुणे से मानवता की मिसाल पेश करने वाली एक भावुक घटना सामने आई है। 37 वर्षीय मैराथन धावक **उदय बिर्मल** की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, लेकिन उनके परिवार के साहसिक और संवेदनशील फैसले ने चार गंभीर मरीजों को नया जीवन दे दिया। डॉक्टरों द्वारा ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद परिवार ने उनके हृदय, लिवर और दोनों किडनी दान करने का निर्णय लिया।

यह फैसला न केवल अंगदान के महत्व को दर्शाता है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है।

जानकारी के अनुसार, **19 जुलाई** की सुबह उदय बिर्मल मैराथन की तैयारी के लिए दौड़ का अभ्यास कर रहे थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित ऑटो-रिक्शा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत **दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल (DMH)** में भर्ती कराया गया।

डॉक्टरों ने उन्हें आईसीयू में रखकर हरसंभव इलाज किया, लेकिन कई दिनों तक चले उपचार के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ।

सभी आवश्यक चिकित्सकीय और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद डॉक्टरों ने उदय बिर्मल को **ब्रेन डेड** घोषित कर दिया। यह उनके परिवार के लिए बेहद कठिन समय था, लेकिन उन्होंने दुख की इस घड़ी में भी समाज के हित को प्राथमिकता देते हुए अंगदान का ऐतिहासिक निर्णय लिया।

परिवार ने उदय का **हृदय, लिवर और दोनों किडनी** दान करने की सहमति दी, जिससे चार जरूरतमंद मरीजों को नई जिंदगी मिल सकी।

अस्पताल प्रशासन और पुणे पुलिस के समन्वय से उदय बिर्मल का हृदय विशेष **ग्रीन कॉरिडोर** के माध्यम से तेजी से मुंबई के एक

निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सफलतापूर्वक हृदय प्रत्यारोपण किया गया।

वहीं, उनका **लिवर और एक किडनी** दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती दो मरीजों को प्रत्यारोपित की गई, जबकि **दूसरी किडनी** पुणे के ही एक अन्य निजी अस्पताल में भर्ती मरीज को भेजी गई।

इस जटिल अंग प्रत्यारोपण प्रक्रिया को डॉक्टरों की बहु-विषयक विशेषज्ञ टीम ने सफलतापूर्वक पूरा किया। अस्पताल प्रशासन ने सभी चिकित्सकों, मेडिकल स्टाफ और समन्वय टीम की सराहना करते हुए कहा कि समयबद्ध कार्रवाई के कारण चार मरीजों को नया जीवन मिल सका।

दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल ने उदय बिर्मल के परिवार के इस निस्वार्थ निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि एक अंगदाता कई लोगों की जान बचा सकता है। अस्पताल ने पुणे पुलिस का भी विशेष आभार व्यक्त किया, जिसने ग्रीन कॉरिडोर बनाकर हृदय को समय पर मुंबई पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अस्पताल प्रशासन ने आम लोगों से भी अंगदान के लिए आगे आने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि देश में हजारों मरीज ऐसे हैं जो हृदय, लिवर और किडनी प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में अंगदान का एक निर्णय कई परिवारों के जीवन में नई उम्मीद लेकर आ सकता है।

उदय बिर्मल भले ही इस दुनिया में नहीं रहे, लेकिन उनके परिवार के इस महान फैसले ने चार लोगों को नया जीवन देकर उन्हें हमेशा के लिए अमर बना दिया। यह घटना समाज को मानवता, सेवा और अंगदान के महत्व का एक प्रेरणादायक संदेश देती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.